ई–बुलेटिन

कृषिउद्यमी

प्रतीयमान अनुभव को बांटने वाला मंच

खंड V अंक 2

मई – 2013

प्रत्येक कृषक द्वारा बेहतर कृषि

इस अंक में

- कृषि एवं ग्रामीण विकास केंद्र (कार्ड) द्वारा आइआईएसआर, लखनऊ में राज्य स्तरीय कृषि उद्यमियों हेतु आयोजित बैठक
- **माह के कृषि उद्यमी** – श्री दिलीप बिसेन, छत्तीसगढ़
- वीएपीएस, मदुरै, तमिलनाडु में नवोन्मेशन

" कृषि उद्यमिता एक ऐसा प्रतीयमान मंच है जहां कृषि उद्यमियों, बैंकरों, कृषि व्यवसाय कंपनियों, नोडल प्रशिक्षण संस्थानों, विस्तार कार्यकर्ताओं, शिक्षाशास्त्रियों, अनुसंधानकर्ताओं तथा कृषि व्यवसाय चिंतकों, जो देश में कृषि उद्यमिता विकास के लिए कार्य कर रहे हैं, के अनुभवों को सबके साथ बांटा जाता है।

कृषि उद्यमियों की नैतिकता को बढ़ाने हेतु कृषि एवं ग्रामीण विकास केंद्र (कार्ड) द्वारा उत्तर प्रदेश में आयोजित राज्य स्तरीय कृषि उद्यमियों की बैठक

नोएडा में स्थित कृषि एवं ग्रामीण विकास केंद्र (कार्ड) उत्तर प्रदेश एसी एवं एबीसी योजना को कार्यान्वित करने का एक सक्रिय भागीदार है। इस योजना के सहयोग से कार्ड ने 5 वर्ष में ही 459 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया तथा 211 कृषि उद्यमों को स्थापित करने में सहायता दी। कार्ड ने प्रारम्भिक स्तर के कृषि उद्यमी जिन्होने कठिन समय में भी दृढ़ संकल्प के साथ व्यापार नमूने के रूप में एग्रीवेंचर को स्थापित कर चलाने में सफलता प्राप्त किया है को पहचान कर उन्हें सम्मानित करने हेतु एक राज्य स्तरीय सम्मेलन आयोजित करने के नवीन विचारों को उभरा है।

यह बैठक भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान (आइआईएसआर) उत्तर प्रदेश, लखनऊ में 31 मई, 2013 को आयोजित की गई। इस बैठक में उत्तर प्रदेश के 180 कृषि उद्यमियों के अलावा मैनेज (केड) के निदेशक, आत्मा परियोजना के परियोजना समन्वयक, एसबीआई के एजीएम, किर्लोसकर पंप के क्षेत्रीय प्रबन्धक तथा आईटीसी-उ.प्र., के कृषि व्यापार के अध्यक्षों ने भाग लिया।

इस प्रयास का मुख्य उद्देश्य विचारों का आदान-प्रदान सुलभ करना, कृषि उद्यमियों के बीच व्यापार नेटवर्किंग का प्रसार करने के साथ-साथ सर्वश्रेष्ठ सफल कृषि उद्यमियों को पुरस्कृत करना है।

पृष्ठ 4 पर.....

कृषि उद्यमियों की सामाजिक दृष्टिकोणों को कृषि व्यापार के साथ जोड़ने से छत्तीसगढ के कृषि व्यापार के क्षितिज में व्यापकता

यहाँ वर्ष 2008-2009 के दौरान एसी व एबीसी योजना के अंतर्गत आईजीकेवि रायपुर द्वारा प्रशिक्षित रायपुर के कृषि उद्यमी श्री दिलीप बिसेन की एक प्रेरणादायक कहानी दी जा रही है। जैविक कृषि को लाने के लिए उनकी वचनबद्धता विशेषकर पशुओं के पुराने गोबर तथा गाय के पेशाब जिसमें बहुत अच्छी मात्रा में औषधि/कीटनाशक की विशेषता होती है, उनके पेशाब तथा गोबर को उपयोग में लाकर जैविक उर्वरक तथा जैव-कीटनाशकों का उत्पादन करने के महान उद्देश्य से पशु-वध को रोकने में प्रेरणा जागृत किया।

श्री बिसेन ने सोचा कि यदि पशु मालिकों को पशुओं के जैव मल-मूत्र (गोबर तथा पेशाब) से बनी प्राकृतिक औषधीय विशेषताओं की जानकारी दी जाती है तो वे बूढ़ी गायों तथा अन्य पशुओं को पशु-वध घरों में नहीं भेजेंगे। इस प्रकार गोबर तथा पेशाब को एकत्रित करके वे जैविक खाद तथा कीटनाशकों का उत्पादन कर सकते हैं जिससे वे दोनों की सेवा कर सकते हैं जैसे कि पशु-वध से सुरक्षा तथा जैविक कृषि में वृद्धी। विभिन्न गावों के अभियानों में श्री बिसेन ने लोगों में इसके बारे में जानकारी दी।

गतिविधियां:

श्री बिसेन कीट विज्ञान में स्नातकोत्तर हैं तथा उन्हें पौध सुरक्षा तकनीक में 22 वर्ष का अनुभव है। इन्होंने कीटनाशक तथा कीटनाशी दवा बनाने वाली कंपनियों में काम किया है। इस प्रकार की कंपनियों में काम करने के दौरान वे ओरग्नों-फोसफोरस उर्वरकों तथा कीटनाशकों के हानिकारक प्रभावों के, जो जुताई के दौरान अनावश्यक मृदा उर्वरता की क्षीणता के जानकार बन गए। इस प्रकार विभिन्न अभियानों तथा ग्राम सभाओं के द्वारा छत्तीसगढ़ के 5 जिलों में फैले लगभग 40 गावों के किसानों में पौध सुरक्षा के गैर-रसायन तकनीक तथा मिट्टी को जैविक पध्दति से उर्वरक बनाने पर जानकारी दी। निम्नलिखित उर्वरक कृषि तकनीकों के बारे में किसानों को पढ़ाने का कार्य मुख्य कृषि-विस्तार कार्य में जुड गया:

- लाइट ट्रेप तकनीक द्वारा कीट नियंत्रण
- गोबर, पेशाब तथा नीम की पत्तियो द्वारा इस्तेमाल किए गए उर्वरक तथा जैविक उर्वरक के उत्पादन के तरीके।
- मिट्टी में हितकारी बैक्टीरिया तथा फंगी जैसे लेक्टोबसीलस, एनारोबिक त्रिकोडेरमा, गिबेरिलिक एसिड आदि की खेती तथा सुरक्षा की तकनिकें
- वर्मी-कम्पोस्ट द्वारा सूक्ष्म पोषित मिट्टी को अभिवृद्धि करने की तकनीकें

बैंक ऋण/रियायत:

श्री बिसेन को एसी व एबीसी योजना के अंतर्गत कृषि-चिकित्सालय तथा कृषि-व्यापार केंद्र के लिए रु. 20.00 लाख का संश्लिष्ट ऋण पंजाब नेशनल बैंक, के पोचीपेदी शाखा द्वारा सर्वश्री ॐ साई कृषि-चिकित्सालय तथा कृषि-व्यापार केंद्र के नाम से स्वीकृत किया गया। नाबार्ड, रायपुर, छत्तीसगढ़ को भी रु. 7.20 लाख की राशि को रियायत पर जारी किया गया।

टर्न ओवर: प्रति वर्ष रु. 20 लाख - **आय:** रु. 6.00 लाख प्रतिवर्ष

रोजगार: 10 कुशल कर्मियों को – प्रत्यक्ष तथा 30 को अप्रत्यक्ष

दृष्टि: श्री बिसेन बैंकों, नाबार्ड तथा राज्य सरकार की ओर से प्राप्त सहायता से जैविक उत्पाद को बनाता है जो किसानों को बेचा जाता है। एक बार ब्रांड पंजीकृत होने पर श्री बिसेन इस उत्पाद को ग्राम पंचायतों के जरिये देश भर में प्रचार करता है। वह कहता है परियोजना की सफलता भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुधारेगा तथा ग्रामीण भारत विश्व भर में चमकेगा।

विस्तृत विवरण हेतु संपर्क करें: श्री दिलीप बिसेन के एसी व एबीसी केंद्र विकास विहार, महादेव घाट मार्ग, रायपुर, छत्तीसगढ़. मोबाईल: 09826194665

मदुरै, तमिलनाडू में – जन सेवाओं के लिए स्वैछिक संघ (वाप्स) – नवीनतम पहल

वाप्स वर्ष 2004 से लेकर एसी व एबीसी योजना को कार्यान्वित करने के लिए मैनेज के साथ जुड़ा हुआ है। वीएपीएस ने महत्वकांक्षी कृषि शिक्षितों/व्यावसायिकों तक योजना के अच्छे परिणामों को पहुँचाने के लिए नवीनतम पद्धतियों को आरंभ किया। अभी तक वीएपीएस ने तमिलनाडू तथा पुदुच्चेरी के कृषि/संबन्धित क्षेत्रों के मदुरै से 37 प्रशिक्षण बैचों में से 1668 महत्वकांक्षी कृषि उद्यमियों को प्रशिक्षित किया, 3 सेलम से तथा 10 पुदुच्चेरी से। कृषि से संबन्धित उद्यमों को बैंक वित्तीय सहायता से कुल 166 कृषि उद्यमों को स्थापित किया गया जबकि 778 को उनके स्वयं के कोश से स्थापित किया गया। कुछ असाधारण पध्दतियों को भी वाप्स ने अपनाया है जिसने एसी व एबीसी योजना के कार्यान्वयन ने अच्छे परिणामों को प्राप्त किया है उनकी सूची नीचे दी जा रही है जो देश में अन्य एनटीआई द्वारा पुनरावृत्ति तथा विस्तृत किया जा रहा है।

वीएपीएस

- एक तिमाही समाचार पत्र एग्रीप्रेन्यूर इन्फो का प्रकाशन जिसमें कृषि की आधुनिक तकनीक, कृषि व्यापार तथा केन्द्रीय और राज्य दोनों क्षेत्रों की वर्तमान सरकारी योजनाओं पर लेखों को प्रकाशित किया जाता है। यह समाचार पत्र एसी व एबीसी की सफल कहानियों को भी प्रकाशित करता है इसके साथ-ही-साथ विशेषकर महिला कृषि उद्यमियों तथा वरिष्ठ नागरिकों को उद्देश्य सहित प्रशिक्षित करना भी शामिल है।
- फेसबुक और ट्विटर (vapsagri@facebook.com & vapsinfo@twitter.com) ग्रुप एसएमएस कार्यक्रम की एक सामाजिक नेटवर्किंग साइट को आरंभ किया गया है जिसमें कृषि उद्यमियों के साथ नव प्रवर्तनों, मैनेज के पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम, कृषि उद्यमियों के संघ की बैठकें, बैंक व रियायत संबन्धित समस्याएँ तथा एसी व एबीसी नवीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए अभ्यर्थियों को सुनिश्चित करना।
- कृषि उद्यमियों तथा कृषि संबन्धित व्यापारिक समस्याओं तथा समाधानों का पता लगाने के लिए एनटीआई के कार्यालय में छःमाही तथा वार्षिक बैठकों की व्यवस्था करने हेतु भारतीय तमिलनाडू कृषि उद्यमी संघ (टीएएआई) तथा भारतीय पुदुच्चेरी कृषि उद्यमी संघ (पीएएआई) को आरंभ किया गया। महिला कृषि उद्यमियों की समस्याओं को बताने के लिए एक अलग से भारतीय महिला कृषि उद्यमी संघ मंच शीघ्र आने वाला है।

वीएपीएस द्वारा प्रशिक्षित कृषि उद्यमियों द्वारा स्थापित नवीनतम कृषि उद्यम

- श्री के. सुरेश कुमार द्वारा विशेषकर बच्चों को सांप के काटने से बचने के लिए चमेली की कटाई से बचाने हेतु हेलमेट सहित हैड लाइट पुनः चालित बेटरी को अभिकल्प करना।
- श्री एस. करुप्पय्या द्वारा संचालित 'वेल्थ फ्रम वेस्ट' – एक कृषि-चिकित्सालय ग्रामीण क्षेत्रों की ग्रामीण बेरोजगार महिलाओं द्वारा प्राकृतिक तौर से उगने वाली औषधीय जड़ी बूटियों को इकत्रित करना तथा उनसे तेल निकालना जोकि आयुर्वेदिक तथा सिध्द औषधियों को बनाने में प्रयोग में लाई गई तथा उसे निर्यात भी किया गया।
- श्री एम. आनंदाने राज्य नागरिक आपूर्ति निगम को बेचने से पहले कटे हुए धान के बीजों को छाटने के लिए खेती बाड़ी की मशीनों को किराए पर लेने में संलग्न हैं।
- परामर्श, जुताई, उत्पादन, तथा विपणन स्पीरुलिना की एक इकाई तथा साईनो – बक्टीरिया (नीला-हरा एलगे) एक खाद्य पूरक को श्री आर. बालमुरुगन द्वारा तैयार किया गया है।श्री मरुथमलाई मुरूगन द्वारा नारियल के लिए मोबाइल क्लीनिक्स।
- **मदुरै नमूना:** मैनेज द्वारा आरंभ की गई संकल्पना के आधार पर वीएपीएस ने एक असाधारण प्रस्ताव विकसित किया जो मदुरै नमूना के रूप में जाना गया, जिसने एक जिले के प्रत्येक चयनित खंड में से न्यूनतम 10 प्रशिक्षिकों को नामांकन किया तथा उन्हें ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि संबन्धित चिकित्सालय आरंभ करने के लिए प्रोत्साहित किया। अन्य/गैर-प्रतिनिधित्व खंडों के अभ्यर्थियों को भी एसीएबीसी योजना के अंतर्गत मदुरै नमूनों के सफल निगरानी तथा सुविधा प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित कृषि उद्यमियों को जिला समन्वयकों के रूप में नियुक्त किया गया। मदुरै नमूने की सफलता पूर्वक समीक्षा करने के लिए नाबार्ड, लीड बैंक, कृषि विभाग, आत्मा के अधिकारियों तथा अन्य तकनीकी परामर्शदाताओं के साथ एक समन्वयक समिति का गठन किया गया।

उपरोक्त पहलों पर किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

श्री एस. ए. अरुल, केंद्रक अधिकारी, वीएपीएस, मदुरै, इनका मोबाइल सं. 09443569401,

पृष्ठ – 1 का शेष ...

निम्नलिखित चरणों के आधार पर कृषि उद्यमियों का चयन किया जाता है।

- न्यूनतम 3 वर्षों तक कृषि उद्यमिता को चलाना
- किसानों का क्षेत्र (लगभग 2000 होना चाहिए)
- समाहित गावों की न्यूनतम संख्या (लगभग 20 होना चाहिए)
- भारत सरकार की योजनाओं के साथ सम्मिलन

आठ कृषि उद्यमियों जैसे कि (1) रविंदर प्रताप सिंह (2) स्वर्ण सिंह (3) यशपाल सिंह (4) अरविंद कुमार (5) छबिनाथ शुक्ल (6) मो. शाहिद (आलोक कुमार और राम शंकर पांडे जो कृषि निदान एवं कृषि व्यापार केन्द्रों को सफलतापूर्वक चला रहे हैं वे समिति द्वारा चयनित किए गए हैं तथा उन्हें एक स्मृति और प्रशस्ति पत्र द्वारा सम्मानित किया गया। निर्वाचिका सभा के एक महत्वपूर्ण पहल कृषि-संबन्धित निजी कंपनियों से था जैसे किर्लोसकर, आईटीसी तथा जेसीबी ने अपने उत्पादों को प्रदर्शित किया जोकि कृषि उद्यमियों द्वारा प्रयोग में लाया गया। निजी कंपनियाँ कृषि उद्यमियों के अवसरों को पंजीकरण करने हेतु सूचित करते हैं।

कृषि उद्यमियों की निर्वाचिका सभा के नवाचार विचार कार्ड, नोएडा के नवीन योजना का एक महत्वपूर्ण कदम था जो सार्वजनिक निजी भागीदारीता से कृषि-उद्यमिता को क्षमता युक्त बनाता है। कार्ड के केंद्रक अधिकारी डॉ. एम. एस. खान ने परम्पराएँ चालू की, यह सम्मान और निर्वाचिका सभा कुछ नहीं है परंतु उनकी पहचान के लिए एक मंच सृजन करना है जिसमें राज्य भर के कृषि उद्यमी आते हैं तथा आपस में अपने विचारों का आदान प्रदान करते हैं। एक मंच का सृजन करना है जहां पर कोर्पोरेट, सरकारी बैंक तथा अन्य संस्थान अपने कार्यक्रमों, योजनाओं, उत्पादों तथा सेवाओं के बारे में ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि उद्यमियों से चर्चा कर सकेंगे।

यह आशा की जाती है कि सम्पूर्ण देश में अन्य एनटीआई उनके सेवा क्षेत्रों में इस सक्रिय पहल का अनुसरण करेंगे । इस सभा के बारे में आगे की जानकारी के लिए कार्ड के केंद्रक अधिकारी श्री खान से ई-मेल: shakeel@card.org.in या मो. 09350292417 या 0888219241 पर संपर्क किया जा सकता है।

www.agriclinics.net वह पोर्टल है जो एसी तथा एबीसी योजना के बारे में सूचना प्रदान करता है। यह पोर्टल पात्रता मानदंडों, प्रशिक्षण संस्थानों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सहायता कार्यों, वित्त विकल्पों तथा भावी उद्यमियों को सब्सिडी प्रदान करने के संबंध में अद्यतन जानकारी देता है।यह वेबसाइट स्थापित कृषि नव उद्यमों, लंबित परियोजनाओं, संबंधित योजनाओं के ब्यौरों से संबंधित सूचना तथा राज्य सरकारों, कृषि विश्वविद्यालयों, बैंकों, प्रशिक्षण संस्थानों तथा कृषि उद्यमियों के लिए उपयोगी अन्य सूचना भी प्रदान करती है।

एग्री क्लीनिकों तथा एग्रीबिजनेस केंद्रों के संबंध में अधिक स्पष्टीकरण के लिए कृपया इस पते पर मेल करें। indianagripreneur@manage.gov.in

"प्रत्येक कृषक द्वारा बेहतर कृषि"

'कृषि उद्यमी' का प्रकाशन
महानिदेशक, मैनेज, हैदराबाद द्वारा किया जाता है।

प्रमुख संपादक : श्री वी. श्रीनिवास, आईएएस

संपादक : डा. पी. चंद्रशेखर

सहायक संपादक : डा. लक्ष्मीमूर्ति

: श्रीमती एन. सुनीता

हमें संपर्क करें
कृषि उद्यमिता विकास केंद्र (सीएडी) राष्ट्रीय कृषि प्रबंधन विस्तार संस्थान (मैनेज), राजेन्द्र नगर, हैदराबाद,
पिन–500030 आन्ध्र प्रदेश, भारत
टेली फैक्स: + 91(40)–24106693
ई–मेल :indianagripreneur@manage.gov.in
Website: www.agriclinics.net